

कबीरधाम के छात्रावास-आश्रम बेहाल, 100 किमी दूर प्रभारी के भरोसे बच्चों की व्यवस्था

स्वीकृत सीटें खाली, नियमित अधीक्षक नदारद; सुरक्षा, निगरानी और सरकारी संसाधनों के उपयोग पर बड़ा सवाल



कवर्धा। कबीरधाम जिले में आदिवासी एवं अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के लिए संचालित छात्रावास और आश्रमों की व्यवस्था सवाल के घेरे में है। कई संस्थानों में नियमित अधीक्षकों के स्थान पर प्रभारी अधीक्षकों से काम चलाए जाने की स्थिति सामने आ रही है। इससे भी गंभीर बात यह है कि कुछ मामलों में प्रभारी अधीक्षकों के मूल पदस्थापन और अतिरिक्त प्रभार वाले संस्थान के बीच 50 से 100 किलोमीटर तक की दूरी बताई जा रही है। ऐसे में सवाल उठता है कि दूरस्थ छात्रावासों में विद्यार्थियों की नियमित निगरानी, सुरक्षा और दैनिक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी प्रभावी ढंग से कैसे निभाई जा रही है। मामला सिर्फ प्रभारी व्यवस्था तक सीमित नहीं है। जिले के कई छात्रावासों और आश्रमों में स्वीकृत सीटों के मुकाबले विद्यार्थियों की दर्ज संख्या कम होने की बात भी सामने आ रही है। यानी शासन ने जिन संस्थानों में विद्यार्थियों के लिए क्षमता स्वीकृत की है, उनमें पूरी क्षमता के अनुरूप प्रवेश नहीं हो पा रहा है। इससे विभागीय योजना के क्रियान्वयन और सरकारी संसाधनों के उपयोग पर भी सवाल खड़े होते हैं।

100 किमी दूर अधीक्षक निगरानी कितनी प्रभावी
छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थी विभागीय व्यवस्था की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी में होते हैं। भोजन, स्वास्थ्य, स्वास्थ्य, उपस्थिति, अनुपस्थिति और सुरक्षा जैसे विषयों की निगरानी निगरानी आवश्यक है। ऐसे में यदि किसी अधीक्षक के पास दूरस्थ संस्थान का अतिरिक्त प्रभार है, तो यह जांच का विषय है कि वह वहां स्थानीय नियमितता से उपस्थित रहते हैं और विभागीय निरीक्षण के विधित्त मानकों का पालन किस प्रकार होता है। खासकर नवजात विद्यार्थियों के मामले में सुरक्षा और संरक्षण की जिम्मेदारी और महत्वपूर्ण हो जाती है। किशोर व्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 तथा बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम, 2005 बच्चों के संरक्षण और उनके अधिकारों के लिए कठोर ढांचा उपलब्ध करते हैं। छात्रावास संचालन से जुड़े विभागीय नियम और विनियमों भी संस्थागत निगरानी एवं अधीक्षक की जिम्मेदारियों का आधार हैं।

सीटें खाली, फिर भी खर्च जारी
स्वीकृत सीटों के मुकाबले कम दर्ज संख्या का मुद्दा भी कम गंभीर नहीं है। यदि किसी छात्रावास में लगभग सीटें रिक्त हैं तो विभाग को यह पता लगाना चाहिए कि पात्र विद्यार्थी प्रवेश क्यों नहीं ले रहे हैं। क्या पात्र विद्यार्थियों की पहचान में कमी है, प्रवेश प्रक्रिया में बाधा है, सुविधाओं का अभाव है या अभिभावक बच्चों को छात्रावास भेजने से परहेज कर रहे हैं—इन सभी पहलुओं की जांच जरूरी है। स्वीकृत क्षमता का पूरा उपयोग नहीं होने से सरकारी भवन, स्टाफ भोजन और अन्य संसाधनों पर होने वाले व्यय की प्रभावीता का सवाल भी सामने आता है। इसलिए केवल कुल स्वीकृत सीट और कुल दर्ज विद्यार्थियों का आंकड़ा नहीं, बल्कि संस्थागत रिक्त सीटों का विवरण सार्वजनिक होना चाहिए।

अब संस्थानवार ऑडिट की जरूरत
पूरे मामले में विभाग को जिले के प्रत्येक छात्रावास और आश्रम का संस्थानवार परीक्षण करना चाहिए। इसमें स्वीकृत सीट, वास्तविक दर्ज संख्या, रिक्त सीट, नियमित/प्रभारी अधीक्षक, अतिरिक्त प्रभार, मूल पदस्थापन से दूरी, स्टाफ की स्थिति, निरीक्षण की तारीख और निरीक्षण में भ्रष्टाचार सार्वजनिक की जानी चाहिए। सवाल यह भी है कि 50 से 100 किलोमीटर दूर स्थित संस्थानों का अतिरिक्त प्रभार देने की आवश्यकता क्यों पड़ी और निर्यात अधीक्षकों की नियुक्ति उतना उचित है। यदि व्यवस्था नियमों के अनुरूप है तो विभाग को आंकड़ों के साथ स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए; और यदि नहीं तो नियमों या निर्यात मानकों में कमी है तो जिम्मेदारी तय कर सुधारत्मक कार्यवाई करनी चाहिए। कबीरधाम के छात्रावास और आश्रम सैकड़ों विद्यार्थियों की शिक्षा और भविष्य से जुड़े हैं। खाली सीटें, दूरस्थ प्रभार और निगरानी की चुनौतियाँ—लेनी को अलग-अलग नहीं, बल्कि एक ही प्रशासनिक समस्या के रूप में देखकर समीक्षा की जरूरत है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग इस व्यवस्था की जमीनी हकीकत सामने लाने के लिए कब संस्थानवार जांच शुरू करता है।

आंगन मिलन उत्सव में शामिल हुए विधायक दीपेश साहू

भोरमदेव में वन्यजीव संरक्षण पर मैदानी अमले को प्रशिक्षण



गर्भवती माताओं की हुई गोद भराई और बच्चों का हुआ अन्नप्राशन
बेमेतरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान 2026 एवं 9वें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत बेमेतरा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 17/2 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में 'आंगन मिलन उत्सव' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास पर दिया जोर
कार्यक्रम के दौरान विधायक दीपेश साहू ने मार्गदर्शित, नक़्ते-मुक्ते बच्चों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने पोषण, स्वास्थ्य एवं बाल विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र ही बच्चों के जीवन की प्रथम पाठशाला है। इस अवसर पर गर्भवती माताओं पुष्पा सिन्हा एवं देवांशी शर्मा का विधि-विधान से गोद भराई संस्कार संपन्न कराया गया। वहीं कुमारी पूजा नेताम एवं हृदयेश्वरी साहू के नक़्ते बच्चों का पारंपरिक अन्नप्राशन संस्कार करके उनके स्वस्थ जीवन की कामना की गई।

जमीन पर बैठकर नेवता भोज बना आकर्षण का केंद्र
कार्यक्रम में आयोजित नेवता भोज विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। विधायक दीपेश साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा एवं अन्य अतिथियों ने प्रोटोकॉल छोड़कर आंगनबाड़ी केंद्र में जमीन पर बैठकर नक़्ते बच्चों, माताओं और कार्यकर्ताओं के साथ भोजन किया। अतिथियों का बच्चों के साथ इस तरह जमीन पर बैठकर भोजन करना सभ्यता और अप्रभुत्व का अनूठा संदेश दे गया।

हर आंगन में पोषण और हर बच्चे के चेहरे पर मुस्कान हो : विजय सिन्हा
नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों एवं माताओं को पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। नेवता भोज जैसे आयोजन समाज और बच्चों के बीच आत्मीय संबंध को मजबूत करते हैं। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हर माँ स्वस्थ रहे, हर बच्चा सुपोषित रहे और बेमेतरा कुपोषण मुक्त समाज की दिशा में आगे बढ़े।

कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अजय साहू, हर्षवर्धन तिवारी, पार्षद गौरव साहू, सोनू साहू, परियोजना अधिकारी मनोरमा साहू, रजनी पाण्डेय, धनरथराम देवान्न सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाएं, जनप्रतिनिधि, गर्भवती माताएं एवं नक़्ते-मुक्ते बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गोद भराई, अन्नप्राशन एवं नेवता भोज के माध्यम से मातृशक्ति के सम्मान, बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं कुपोषण मुक्त बेमेतरा के संकल्प को मजबूती प्रदान की गई।

कवर्धा। वन्यप्राणी सप्ताह के तहत भोरमदेव वन्यजीव अभयारण्य में वन विभाग और भारतीय वन्यजीव न्यास के सहयोग से मैदानी कर्मचारियों के लिए संवेदिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ मैदानी अमले को वन्यजीव निगरानी, अपराधों की पहचान और रोकथाम के लिए व्यावहारिक रूप से सक्षम बनाना रहा। वनमंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में आवासों को जोड़ें, वन्यजीवों को समृद्ध बनाएं विषय पर चर्चा हुई। विशेषज्ञों ने प्राकृतिक आवासों के संरक्षण और वन्यजीवों की सुरक्षित आवागामी के लिए गलियारों को महत्वपूर्ण बताया। प्रशिक्षण में वन्यजीव गलियारों, कैमरा जाल के उपयोग, निगरानी व्यवस्था तथा वन्यजीव अपराध और अवैध वन्यजीव व्यापार को रोकथाम पर जानकारी दी गई। आधुनिक तकनीक के जरिए निगरानी मजबूत करने और मैदानी स्तर पर सतत सतर्कता बनाने के तरीकों से कर्मचारियों को अवगत कराया गया। अभयारण्य की अधीक्षक अनिता साहू ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण में मैदानी कर्मचारियों की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने मानव-वन्यजीव संघर्ष के दौरान संवेदनशील व्यवहार, त्वरित कार्यवाई और विभागीय समन्वय की आवश्यकता पर जोर दिया। भारतीय वन्यजीव न्यास के परियोजना प्रमुख अंकित ठाकुर, डॉ. महेंद्र राजत, वेदांग सैखेडकर और शारिक अशर ने विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया। वन क्षेत्रपाल किशोर साहू सहित विभागीय मैदानी कर्मचारी और समर्थ समूह के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में निगरानी से लेकर वन्यजीव अपराधों की रोकथाम तक मैदानी अमले की भूमिका को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया।



पोलमी में खेत तक पहुंची कलेक्टर, फसल सर्वे की पारदर्शिता पर दिए निर्देश



कवर्धा। कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल पोलमी में बुधवार को कलेक्टर तुलिका प्रजापति खेत तक पहुंची और नॉन-डोसीएस फसलों के भौतिक सत्यापन कार्य का मौके पर निरीक्षण किया। उन्होंने सर्वेयर और हल्का पटवारी द्वारा की जा रही ई-गिरदर्शनी प्रक्रिया को देखा तथा खेत में दर्ज की जा रही जानकारी की वास्तविकता की जांच की। कलेक्टर ने सर्वे कार्य में किसी भी तरह की त्रुटि की गुंजाइश नहीं रखने और शत-प्रतिशत पारदर्शिता के साथ सत्यापन पूरा करने के निर्देश दिए। ग्राम पोलमी में किसान मदन के खसरा नंबर 176/1 में नॉन-डोसीएस फसल का भौतिक

ऑनलाइन दर्ज कर रहे हैं। इसके साथ खेत की तस्वीर भी अपलोड की जा रही है। दर्ज जानकारी का पटवारी तथा वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया जाएगा। इससे प्रत्येक खेत में बोई गई फसल और उसके रकबे का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सर्वे कार्य समय-सिमा में पूरा करने के साथ उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि फसल सर्वे के आंकड़े केवल रिकॉर्ड तैयार करने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि कृषि से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और प्रशासनिक निर्णयों के लिए भी उपयोगी होंगे। डिजिटल सर्वे से जिले में फसल उत्पादन से संबंधित अद्यतन आंकड़े उपलब्ध होने की उम्मीद है। इन आंकड़ों का उपयोग फसल बीमा, फसल क्षति के आकलन, कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी धान खरीदी की योजना तैयार करने में किया जा सकेगा।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बेमेतरा ने रग्बी खेल में हासिल किया तृतीय स्थान

बेमेतरा। बलौदाबाजार जिले में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के अंडर-14 बालक एवं बालिका रग्बी खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान हासिल किया। खिलाड़ियों ने दुर्ग संभागा का प्रतिनिधित्व करते हुए अपने उत्कृष्ट खेल से जिले और विद्यालय का नाम रोशन किया।

बालिका वर्ग में शानदार प्रदर्शन
अंडर-14 बालिका वर्ग में बेमेतरा की खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। बालिका टीम ने बिलासपुर को 0-10 तथा सरगुजा को 0-5 से हराया। वहीं रायपुर 5/5 के खिलाफ मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। इन शानदार प्रदर्शनों के आधार पर बेमेतरा की बालिका टीम प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। दुर्ग संभागा की बालिका टीम में दिशा तिवारी, ईशिका, तारणी निषाद, मानवी, पायल साहू और हिमानी वर्मा ने बेमेतरा जिले का प्रतिनिधित्व किया।

बालक वर्ग में भी शानदार प्रदर्शन
अंडर-14 बालक वर्ग में भी बेमेतरा के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। टीम ने बिलासपुर को 0/10 से तथा सरगुजा को 0-



5 वहीं रायपुर के खिलाफ मुकाबला 15/0 पर समाप्त हुआ और दुर्ग टीम ने इस कड़ी प्रतियोगिता के बाद तृतीय स्थान हासिल किया। बालक वर्ग में आदित्य साहू, कान्हा वर्मा, तन्मय मंडवी, राजवीर परगनिहा और देवराज वर्मा बेमेतरा का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। कोच लोकेश्वर राव मैनेजर रामेश्वरी साहू को विद्यालय परिवार ने दी बधाई।

इस उपलब्धि की जानकारी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हसदा के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव ने दी। खिलाड़ियों की इस शानदार उपलब्धि पर स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के प्राचार्य जी.पी. सिंह, दुर्यंत कुमार

परगनिहा, सरपंच चंद्रशेखर परगनिहा, बलिराम धीवर, संघा परगनिहा, उत्तरसरपंच ओमप्रकाश सिन्हा, जनपद सदस्य रेखा पौषण सिन्हा, संकुल समन्वयक दीपक आडोल, व्यायाम शिक्षक रामेश्वरी साहू, आकाश वर्मा, मानचंद निर्मलकर, देविका वर्मा एवं आंचल बंधोर सहित विद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

गांव में तैयार हो रही रग्बी की नई पौध संस्था प्रमुख ने कहा कि खिलाड़ियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। विद्यालय में रग्बी की नई पौध तैयार की जा रही है तथा

खिलाड़ियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है। खिलाड़ियों को तैयार करने में विद्यालय के व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव, रामेश्वरी साहू एवं आकाश वर्मा का महत्वपूर्ण योगदान है। इनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों को रग्बी के साथ-साथ विभिन्न खेलों का नियमित प्रशिक्षण दिया जाता है। व्यायाम शिक्षक लोकेश्वर राव स्वयं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रह चुके हैं। उनका कहना है कि प्रतिभा किसी शहर की मोहताज नहीं होती। गांव में रहकर भी खिलाड़ी मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन के बल पर नई ऊंचाइयों को हासिल कर सकते हैं। खिलाड़ियों की प्रतिभा को सही दिशा देकर उन्हें एक बेहतर खिलाड़ी के रूप में तैयार करना ही हमारा उद्देश्य है।

इस वर्ष का चौथा खिताब
स्वामी आत्मानंद स्कूल हसदा के खिलाड़ियों के लिए यह उपलब्धि बेहद खास है। यह इस वर्ष खिलाड़ियों द्वारा हासिल किया गया चौथा खिताब है, जो विद्यालय के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल विभाग की निरंतर मेहनत एवं समर्पण को दर्शाता है। इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है और सभी ने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सरकारी स्कूल कंडरका की छात्रा कोमिका यादव के प्रोजेक्ट का इंस्पायर मानक अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर चयन

कृषकों के साथ अमानत में खयानत कर शासकीय सम्पत्ति का गबन करने वाले आरोपी गिरफ्तार

सरकारी स्कूल की प्रतिभा को मिला राष्ट्रीय पहचान

बेमेतरा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा प्रतिवर्ष इंस्पायर अवार्ड मानक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कंडरका विकासखंड बेरला की मार्गदर्शक शिक्षिका पुष्पा नायक, व्याख्याता जीवविज्ञान के मार्गदर्शन में विज्ञान संकाय की छात्रा कोमिका यादव द्वारा तैयार 'कैंसर डिटेक्टर ब्रा' प्रोजेक्ट का इंस्पायर मानक अवार्ड में राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिता का आयोजन 12 अक्टूबर से 14 अक्टूबर तक भारत मंडयम नई दिल्ली में आयोजित की जाएगी। यह एक विशेष उपलब्धि है क्योंकि बेमेतरा जिले से एक मात्र सरकारी विद्यालय शा उ मा वि कंडरका वि ख बेरला से एनएलईपीसी में चयन हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय सहित पूरे जिले में हर्ष का माहौल है। ग्रामीण अंचल के सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत छात्रा ने अपनी मार्गदर्शक शिक्षिका के निर्देशन में महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी



महत्वपूर्ण समस्या को ध्यान में रखते हुए यह अभिनव प्रोजेक्ट तैयार किया। प्रोजेक्ट का उद्देश्य स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा तकनीकी माध्यम से संभावित असामान्यताओं की पहचान में सहायता प्रदान करना है। व्याख्याता पुष्पा नायक ने छात्रा की रुचि और वैज्ञानिक सोच को पहचानते हुए उसे प्रोजेक्ट को विकसित करने के लिए निरंतर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने छात्रा को समस्या की पहचान, वैज्ञानिक अवधारणाओं और मॉडल के विकास की दिशा

में आवश्यक सहयोग प्रदान किया। मार्गदर्शक व्याख्याता पुष्पा नायक ने कहा कि विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और समाज की वास्तविक समस्या के समाधान के लिए कुछ नया करने की इच्छा ने इस प्रोजेक्ट को आकार दिया। एक शिक्षक के रूप में मेरा प्रयास रहा कि उसकी सोच को सही वैज्ञानिक दिशा मिले और वह अपने विचार को मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर सके। राष्ट्रीय स्तर पर इस प्रोजेक्ट का चयन कॉमिका की मेहनत और लगन की उपलब्धि है। यह हमारे विद्यालय और पूरे

बेमेतरा जिले के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि सरकारी और ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। यदि उन्हें उचित मार्गदर्शन और अवसर मिले तो वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। छात्रा एवं शिक्षिका के मॉडल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालय, गाँव, वि ख, जिला एवं राज्य को गौरवान्वित किया है। उनके इस उपलब्धि एवं अग्रिम सफलता के लिए उन संचालक डीपीआई एवं राज्य नोडल अधिकारी हिमांशु भारती, सहायक संचालक एवं सहायक नोडल अधिकारी सतीश माहेश्वरी, जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल, खड़क प्राचार्य जे के धृतलहरे, सहायक संचालक एस पी कोशले, जिला सांख्यिकी अधिकारी राजकुमार वर्मा, एमआईसी खिरामन वर्मा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश करमाकर, बीआरसी बेरला कमलेश निषाद, संस्था की प्राचार्य चेतना सिंह, सरपंच एवं शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राहुल यदु, उत्तरसरपंच दशरथ यदु सहित समस्त पंचायत, ग्रामवासी एवं शाला परिवार ने शुभकामनायें सप्रित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

बेमेतरा। घोखाघड़ी एवं छल कपट कर कृषकों के साथ अमानत में खयानत कर शासकीय सम्पत्ति का गबन करने के मामले में दो माह से फरार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रार्थी खोरबहर साहू उम्र 66 वर्ष, निवासी मुरता, थाना नवागढ़ जिला बेमेतरा ने 16.06.2026 को थाना नवागढ़ में रिपोर्ट दर्ज करवा कि 30.06.2022 से 31.03.2023 तक सेवा सहकारी समिति मर्यादित मुरता पंजीयन क्रमांक 1271 विकासखण्ड नवागढ़ जिला बेमेतरा के प्रभारी समिति प्रबंधक राजेन्द्र पांडेय एवं प्रभारी समिति प्रबंधक साहू के साथ मिली भगत कर संस्था के साथ घोखाघड़ी एवं छल कपट कर कृषकों के साथ अमानत में खयानत कर शासकीय सम्पत्ति 57,01,454.40 रुपये का गबन करने के संबंध में प्रथम सूचना पत्र दर्ज करने के संबंध में लिखित आवेदन पेश करने पर शिकायत

पत्र के अवलोकन पर सेवा सहकारी समिति मर्यादित मुरता पंजीयन क्रमांक 1271 विकास खण्ड नवागढ़, जिला बेमेतरा के प्रभारी समिति प्रबंधक साहू के विरुद्ध धारा 420, 406, 467, 468, 471, 409, 34 भादवि का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक त्रिलोक बंसल ने तत्काल

आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत थाना प्रभारी थान नवागढ़ निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण के विवेचना दौरान पूर्व में आरोपी राजेन्द्र पाण्डेय उम्र 49 वर्ष, निवासी मुरता थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा को 14 जुलाई 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण में लगभग विगत 02 माह से फरार आरोपी अमित साहू पिता स्व. देवसिंह साहू उम्र 32 वर्ष, निवासी मुरता थाना नवागढ़, जिला बेमेतरा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस संदर्भ कार्रवाई में थाना प्रभारी नवागढ़ निरीक्षक दुलेश्वर चंद्रवंशी, सर्वेन कृष्ण कुमार, प्रधान आरक्षक विजय शुक्ला, आरक्षक ओंकार निर्मलकर सहित अन्य नवागढ़ स्टाफ का महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संक्षिप्त समाचार

बिजली बिल बकायादारों को बड़ी राहत, समाधान योजना की तारीख 3 महीने बढ़ी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बिजली बिल बकायादारों को ? पावर कंपनी के बड़ी राहत दी है। समाधान योजना की अंतिम तिथि को 3 महीने के लिए बढ़ा दिया है। दरअसल समाधान योजना की अंतिम तिथि को 3 महीने के लिए बढ़ा दिया है। इस राहत का लाभ राजधानी रायपुर के 5 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा। आपको बता दें प्रदेश (छत्त) के 5 लाख बिजली पंजीकृत उपभोक्ताओं को बकाया बिजली भरने के लिए अब 3 महीने का एक्स्ट्रा समय लगेगा। इसके लिए अब तिथि तीन महीने बढ़ाकर 31 दिसंबर तक कर दी गई हैं। जानकारी के अनुसार इस राहत के बाद पंजीकृत बकायेदारों को 3 महीने का अतिरिक्त समय मिलेगा। इससे साढ़े 5 लाख उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। इसमें यदि बकायादार एकमुश्त भुगतान करता है तो उसे मूल राशि में 10 फ़ीसदी छूट मिलेगी। तो वहीं जो बकायादार तीन किस्तों में भुगतान करता है तो उसे कुल बिजली बिल पर 5 फ़ीसदी की छूट मिलेगी। आपको बता दें समाधान योजना में जो भी बकायादार अपना बिजली का बिल भरता है पावर कंपनी उसका सरचार्ज पूरी तरह माफ़ करेगी। इसमें 3.62 लाख उपभोक्ता पूरा बकाया जमा कर चुके हैं। इस योजना के तहत अब तक 770 करोड़ से ज्यादा की छूट दी जा चुकी है। इसमें घरेलू और कृषि दोनों तरह के उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। ध्यान रखें इसे जमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर तक रखी गई है।

सेंट्रल जेल कॉलोनी में खाते से 95 हजार की ऑनलाइन ठगी

रायपुर। राजधानी में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में ऑनलाइन ठगी, मारपीट, युवती से बदसलुकी और वाहन चोरी के चार मामले सामने आए हैं। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर संवर्धित धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांज थाना क्षेत्र की सेंट्रल जेल कॉलोनी निवासी चंद्रकांत सिन्हा ने शिकायत दर्ज कराई कि उनके मोबाइल में यूनो, पेटीएम और फ़ेनपे एप काम नहीं कर रहे थे। मोबाइल को सर्विस सेंटर में दिखाने के बाद उसे फ़ॉर्मेट किया गया। इसके बाद एप दोबारा डाउनलोड करने पर अज्ञात आरोपी ने उनके एसबीआई खाते से ऑनलाइन तरीके से कुल 95 हजार रुपये निकाल लिए। गांज पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया है। गुडियारी थाना क्षेत्र के गोगांव में घर के सामने शराब पीने से मना करने पर विवाद हो गया। शिकायतकर्ता खगेश खुटे के अनुसार, छोट और प्रितेश माहेश्वरी वहां शराब पी रहे थे। मना करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और हाथ-मुक्के तथा लोहे की रॉड से मारकर चोट पहुंचाई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 296, 351(2), 115(2) और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। गोलबाजार थाना क्षेत्र में फैंसी स्टोर से सामान खरीदते समय 22 वर्षीय युवती के साथ कथित तौर पर बदसलुकी और मारपीट का मामला सामने आया है। शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने युवती को बेइज्जत करने की नीयत से उसका हाथ पकड़ा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद हाथ-मुक्के और चाबी से मारकर चोट पहुंचाई। मामले में बीएनएस की धारा 296, 351(2), 115(2), 74 और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया है। उरला थाना क्षेत्र के ग्राम बोरझरा में अज्ञात चोर ने घर के पास खड़ी हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल चोरी कर ली। शिकायतकर्ता हितेश कुमार वर्मा के मुताबिक उनकी बाइक क्रमांक सीबी 04 एनडी 9130 की कीमत करीब 30 हजार रुपये है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफबीएनएस की धारा 303(2) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ईटीएम एसआईआर और पेंशन पर भूपेश बघेल के सवाल, सरकार पर निशाना

रायपुर। रिसाली नगर निगम चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। रिसाली में कांग्रेस की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू, रिसाली चुनाव पर्यवेक्षक मोहन मरकाम समेत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने और संगठन को मजबूत करते हुए चुनाव जीतने के टिप्स दिए। बैठक के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने ईवीएम को लेकर सवाल उठाए, उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक ही मशीन से पार्षद और महापौर के लिए दो वोट डाले जाने का प्रयोग किया गया, जबकि निर्वाचन आयोग के निर्देशों में एक चुनाव के लिए एक ही व्यवस्था का प्रावधान है। उन्होंने ईवीएम को विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की। बघेल ने आरोप लगाया कि एसआईआर के माध्यम से लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन देशों में ईवीएम बनती हैं, वहां भी बैलेट पेपर से चुनाव होते हैं। गांव के अनपढ़ लोग भी कहते हैं कि ठपे से ही चुनाव होने चाहिए। पेंशन के मुद्दे पर उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार के पास वेतन और पेंशन देने तक के लिए पैसा नहीं है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बस्तर में शांति और विकास का नया अध्याय-सीएम

- प्रधानमंत्री श्री मोदी का जीवन राष्ट्र सेवा, दृढ़ संकल्प और जनकल्याण की प्रेरक गाथा
- विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में प्रत्येक नागरिक निभाए अपनी भागीदारी : मुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के बलवीर सिंह जुनेजा इन्डोर स्टेडियम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित 'सेवा के रंग, राष्ट्र के संग' समारोह में शामिल हुए। समारोह में आयोजित 'नमो सेवा गाथा' लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की संघर्ष से

सेवा संकल्प शिविर, हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ.....

- एक ही मंच पर अधिकार अभिलेख, प्रमाण-पत्र, पीएम आवास सहित विभिन्न योजनाओं के हितलाभ का वितरण

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में आम नागरिकों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सहजता से पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत बुधवार को बलोदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के लिए तिल्दा नगर स्थित बीएनबी स्कूल परिसर में विधानसभा स्तरीय सेवा संकल्प शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक



सेवा और सेवा से राष्ट्र निर्माण तक की प्रेरणादायी जीवन यात्रा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन देश के सार्वजनिक जीवन में एक महत्वपूर्ण पड़ाव का साक्षी है। 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं। लगभग 13 रंग, राष्ट्र के संग' समारोह में शामिल हुए। अधिक समय से देश के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी यह यात्रा सेवा, सुशासन, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण के प्रति

समर्पण की प्रेरक गाथा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए भारत को समृद्ध, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्य किया है। देश के 140 करोड़ नागरिकों को अपना परिवार मानकर वे 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मूलमंत्र के साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके नेतृत्व में शासन की योजनाओं का केंद्र गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग बने हैं तथा विकास की पहुंच समाज

के अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प देश के सामने रखा है। इस संकल्प को साकार करना केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। विकसित भारत के निर्माण के साथ हमें विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए भी पूरी शक्ति और संकल्प के साथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जा रहा है। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान को 13 अलग-अलग बिंदुओं के माध्यम से जनभागीदारी से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य सेवा, स्वच्छता, सामाजिक सरोकार और राष्ट्र निर्माण की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अभियान में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने का आह्वान किया।



मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में आम नागरिकों तक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ सहजता से पहुंचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक

नवा रायपुर में भारत-ज़िम्बाब्वे महिला टी-20 सीरीज़ की तैयारियां पूरी हुई...

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (परसदा) में आयोजित होने वाली भारत महिला बनाम जिम्बाब्वे महिला टी-20 क्रिकेट सीरीज की प्रशासनिक स्तर पर की जा रही तैयारियों की समीक्षा के लिए मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। तीन अंतर्राष्ट्रीय महिला टी-20 मुकाबले 16, 18 और 20 अक्टूबर 2026 को खेले जाएंगे। मुख्य सचिव ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों

को व्यवस्थाओं के संबंध में अन्य विभागों से आवश्यक समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने मैच के सुचारू संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े कार्यों के लिए पुलिस विभाग एवं आयोजक संस्थाओं को समय पर जरूरी कार्यवाही सुनिश्चित करने कहा है।

भाजपा की दो टूक : कांग्रेस स्पष्ट करे कि वह भ्रष्टाचारियों के साथ है या भ्रष्टाचार के खिलाफ

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता देवलाल ठाकुर ने आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) द्वारा कोयला भ्रष्टाचार मामले में की गई कार्रवाई को लेकर कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला है। श्री ठाकुर ने कहा कि अब कांग्रेस पार्टी को प्रदेश की जनता के सामने यह स्थिति स्पष्ट करनी होगी कि वह इन भ्रष्ट नेताओं के साथ खड़ी है या भ्रष्टाचार के खिलाफ है? भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्री ठाकुर ने आर्थिक अपराध शाखा ने कांग्रेस पार्टी के विधायक देवेंद्र यादव, पार्टी के कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल सहित अन्य कांग्रेस नेताओं को कोयला भ्रष्टाचार मामले में आरोपी बनाए जाने पर कांग्रेस से सीधा सवाल करते हुए पूछा कि ?क्या कांग्रेस पार्टी अपने आरोपी विधायक और कोषाध्यक्ष को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाएगी ? या, क्या फिर हमेशा की तरह अपने इन भ्रष्ट नेताओं को बचाने और उनके समर्थन में सड़कों पर उतरेगी? ?श्री ठाकुर ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज को इसका जवाब छत्तीसगढ़ की जनता को देना होगा। आज पूरे प्रदेश की जनता यह जानना चाहती है कि कांग्रेस पार्टी का असली चेहरा क्या है ?

101 करोड़ से अधिक के सड़क विकास कार्यों को मंजूरी,बारिश के बाद तेज होगा निर्माण कार्य

रायपुर/ संवाददाता

बरसात के बाद धमतरी जिले में सड़क निर्माण और ऊयन के कार्यों में तेजी आने वाली है। लोक निर्माण विभाग ने जिले में 101 करोड़ 23 लाख 55 हजार रुपए की लागत से छह कार्यों की निविदाओं को मंजूरी दी है। इनमें पांच प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के साथ आमदी नगर पंचायत में फेरलेन गौरव पथ निर्माण और सौंदर्यीकरण का कार्य शामिल है। उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने निविदाएं मंजूर करते हुए धमतरी संभाग के कार्यपालन अभियंता को चयनित ठेकेदारों और निर्माण एजेंसियों को कार्यदेश जारी कर तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इन प्रमुख सड़कों का होगा उयन मेधा रोड तिराहा-रेशन रोड-चरमुड़िया-राष्ट्रीय राजमार्ग-30 मार्ग के 3.75 किलोमीटर हिस्से के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 14 करोड़ 45 लाख 12 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं। पचपेड़ी-तरागाँदी-भेलवाकूदा-टिपानी-सेमरा (बी)

मार्ग के पांच किलोमीटर हिस्से के लिए 13 करोड़ 32 लाख 82 हजार रुपए तथा छाती-नागरा-कंडेल-देवपुर मार्ग के नौ किलोमीटर हिस्से के लिए 23 करोड़ 12 लाख 46 हजार रुपए की निविदा मंजूर हुई है। इसी तरह अर्जुनी-भानपुरी-तरसावा-कुर्रा-अमलीडीह-हसदा मार्ग के 10 किलोमीटर हिस्से के लिए 19 करोड़ 42 लाख 22 हजार रुपए और राजनांदगांव-गुंडरदेही-धमतरी-नगरी सिहावा-बोराई राज्य मार्ग के 23 किलोमीटर हिस्से के मजबूतीकरण एवं डमरीकरण के लिए 11 करोड़ 70 लाख 83 हजार रुपए की निविदा स्वीकृत की गई है। आमदी में बनेगा फेरलेन गौरव पथ लोक निर्माण विभाग द्वारा आमदी नगर पंचायत में 3.50 किलोमीटर लंबे फेरलेन गौरव पथ के निर्माण और सौंदर्यीकरण के लिए 19 करोड़ 26 लाख 10 हजार रुपए की निविदा भी मंजूर की गई है। निविदाओं को अनुबंध से पहले ठेकेदारों से संपूर्ण कार्यावधि के लिए प्रभावशील अतिरिक्त प्रदर्शन सुरक्षा की बैंक गारंटी प्राप्त करने की शर्त पर स्वीकृत दी गई है।

छत्तीसगढ़ में निवेश से बढ़ेगा रोजगार-सांसद संतोष पांडेय

■ मुख्य प्रदेश प्रवक्ता व सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा : बाढ़ प्रबंधन पर संवेदनशील है साय सरकार

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं सांसद संतोष पाण्डेय ने राज्य सरकार की संवेदनशीलता को सराहना करते हुए विपक्ष के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ में ेनिवेश से विकास और रोजगार का मार्ग खुलेगा।श्री पाण्डेय ने मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए प्रदेश में आ रहे औद्योगिक निवेश, विकास

योजनाओं और राज्य में बाढ़ आपदा प्रबंधन को लेकर अपनी बात रखी विपक्ष के अर्नगल प्रलाप पर निशाना साधा। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि प्रदेश के लिए बड़े निवेश प्रस्ताव पारित हो रहे हैं। श्री पाण्डेय ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रयासों से पहले भी और अब भी छत्तीसगढ़ के लिए बड़े पैमाने पर निवेश लाया जा रहा है। इन निवेशों से प्रदेश का चहुँमुखी विकास होगा तथा स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता श्री पाण्डेय ने ?बाढ़ प्रबंधन को लेकर विपक्षी नेताओं द्वारा उठाए जा रहे सवालों पर कहा कि कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखदेव भगत को

दीक्षारंभ कार्यक्रम का गरिमामय समापन

नवप्रवेशित विद्यार्थियों से कुलपति गिरिश ने किया संवाद

रायपुर/ संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर मुख्यालय स्थित कृषि महाविद्यालय, रायपुर, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रायपुर एवं खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम का आज गरिमामय समापन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. गिरिश चंदेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय, रायपुर की अध्यक्षता डॉ. आरती गुहे द्वारा माननीय कुलपति एवं उपस्थित विशिष्ट अतिथियों के स्वागत से किया गया। कार्यक्रम में डॉ. आर. पी. कुजूर, शैक्षणिक प्रभारी, कृषि महाविद्यालय, रायपुर ने दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान आयोजित

विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के माध्यम से नवप्रवेशित विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, अकादमिक नियमों, परीक्षा प्रक्रिया, छात्र कल्याण, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों, हस्त, हथ, छात्रवृत्ति, करियर एवं अन्य अवसरों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम की निर्धारित रूपरेखा में भी इन विषयों पर विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा सत्र आयोजित किए गए थे। इस अवसर पर अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. आरती गुहे ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में विश्वविद्यालय एवं कृषि महाविद्यालय, रायपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय में प्रवेश उनके जीवन के एक नए एवं महत्वपूर्ण



अध्याय की शुरुआत है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे इस नए परिवेश को सीखने, स्वयं को विकसित करने तथा अपने सपनों को साकार करने के अवसर के रूप में देखें। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे नियमित

अध्ययन की आदत विकसित करें, अपने शिक्षकों एवं वरिष्ठ विद्यार्थियों से मार्गदर्शन प्राप्त करें तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन, समय प्रबंधन,

परिश्रम, ईमानदारी एवं सकारात्मक सोच सफ़लता के महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को असफ़लताओं से निराश न होने तथा प्रत्येक चुनौती को सीखने और आगे बढ़ने के अवसर के रूप में स्वीकार करने की सलाह दी। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारियों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया। दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को अनुसंधान, शिक्षण, विस्तार सेवाओं, छात्र कल्याण, खेल, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य शैक्षणिक अवसरों से जोड़ने के लिए विभिन्न संवादात्मक सत्र आयोजित किए गए थे। समापन समारोह में दीक्षारंभ कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को दिए गए व्याख्यान एवं मार्गदर्शन के लिए उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।



संपादकीय

गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जव्त की है। लक्षद्वीप के पास अरब सागर में एक ईरानी नाव से नशीले पदार्थों की बड़ी खेप पकड़े जाने की घटना ने इस सवाल को और गंभीर बना दिया है कि क्या भारत नशे की तस्करी का केंद्र बनता जा रहा है? तीन

हजार करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इस खेप के साथ पांच पाकिस्तानी नागरिकों की गिरफ्तारी बताती है कि सीमा पार से समुद्र के रास्ते तस्करी का तंत्र कितना संगठित और सक्रिय है।सुरक्षा एजंसियों ने संयुक्त अभियान के तहत यह खेप पकड़ी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर इसकी जानकारी दी। निश्चित रूप से यह सुरक्षा एजंसियों के

3 हजार करोड़ की नशीली खेप पकड़ी, फिर भी नहीं टूट रहा तस्करी का नेटवर्क

लिए बड़ी उपलब्धि हो सकती है, लेकिन अहम सवाल यह है कि देश में जिन लोगों तक इतनी बड़ी मात्रा में यह नशीला पदार्थ पहुंचाया जाना था, उनकी धर-पकड़ कब और कैसे हो पाएगी?क्योंकि, इससे पहले भी कई बार सीमा पार से लाई जा रही नशीले पदार्थों की खेप पकड़ी जा चुकी हैं, लेकिन उसमें आगे क्या कार्रवाई हुई, उसकी कोई जानकारी सार्वजनिक तौर पर

सामने नहीं आई है।गौरतलब है कि गुजरात एटीएस, तटरक्षक बल और केंद्रीय खुफिया एजंसियों ने संयुक्त अभियान में ईरानी नौका से 526 किलोग्राम मेथामफेटामाइन और हेरोइन जव्त की है।

इससे पहले सितंबर 2021 में गुजरात की मुंद्रा बंदरगाह पर 2,988 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी गई थी। वर्ष 2022 में मुंद्रा से ही करीब 52 किलोग्राम कोकीन और 75

किलोग्राम हेरोइन की जव्ती हुई थी।ऐसे में सवाल है कि बार-बार इतनी बड़ी खेपें पकड़े जाने के बाद भी नशीले पदार्थों की तस्करी के तंत्र को तोड़ने के प्रयास धरातल पर नजर क्यों नहीं आते हैं? हर बार बरामदगी और चंद लोगों की गिरफ्तारी की सूचना आती है, लेकिन इनके पीछे बैठे वित्तपोषकों, संचालकों, स्थानीय मददगारों और अंतिम खरीदारों तक जांच पहुंची या

नहीं, इसका कोई ब्योरा साझा नहीं किया जाता है।

इस मामले में भी जांच केवल नाव और उसमें सवार लोगों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। सुरक्षा एजंसियों को यह पता लगाना होगा कि अंतरराष्ट्रीय तस्करी, भारत में मौजूद नेटवर्क और संभावित खरीदारों के बीच कड़ियां कहाँ जुड़ती हैं, तभी समस्या की जड़ तक पहुंचा जा सकता है।

सोना देकर भारत की ‘यवनप्रिया’ को ले जाता था रोम, इसी से निकलता था रोमन साम्राज्य का आधा खर्चा

(दिनेश मिश्र)

रोमन साम्राज्य ने अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। पहली सदी, ष में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर एक ऐसे देश के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं।

भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेंट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंग्स ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।

इसमें उन्होंने बताया है कि भारत और रोम के बीच कारोबार इतना जबरदस्त था कि रोमन साम्राज्य अपने खर्च का आधा हिस्सा भारत के साथ व्यापार से मिलने वाले टैक्स से पूरा किया। यह व्यापार भारत की काली मिर्च को लेकर था, जिसके बदले रोमन सोना देकर जाते थे। भारतीय संस्कृत साहित्य में काली मिर्च को ‘यवनप्रिया’ भी कहा जाता था, क्योंकि यह रोमन यानी यवनों को प्रिय थी।

रोम में काली मिर्च के लिए बनवाए गए गोदाम - मैरीटाइम हिस्टोरियन निक कॉलिंग्स ने सोशल मीडिया पर लिखा-प्लिनी द एल्डर, जिन्होंने प्रांतों का शासन संभाला था और जिन्हें पता था कि टुकसाल में क्या बनता है, उन्होंने अनुमान लगाया कि हर साल 50 मिलियन सेस्टर्सेस (रोमन मुद्रा) की कीमत की कीमती धातुएं (बुलियन) बाहर जाती थीं। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी। सम्राट टाइबेरियस ने शिकायत की कि रोमन धन विदेशियों के पास जा रहा है। डोमिटियन ने शहर के बीचों-बीच काली मिर्च के लिए

आज से दो हजार साल के करीब जब रोम अपने ताकत के चरम पर था, तब पश्चिमी दुनिया के सबसे अमीर शहर का एक ऐसे इलाके के साथ लंबा और असंतुलित व्यापारिक संबंध था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। वह इलाका भारतीय उपमहाद्वीप था। पहली सदी ईसवी में पश्चिमी दुनिया का सबसे अमीर शहर रोम एक ऐसे देश भारत के साथ लंबे समय से असंतुलित व्यापार कर रहा था जहां उसकी सेनाएं कभी नहीं पहुंची थीं। भारत से सामान पश्चिम की ओर जाता था और उसके बदले सोना पूर्व की ओर आता था। समुद्री इतिहासकार और हाउ मेरीटाइम ट्रेड एण्ड द इंडियन सबकंटीनेट स्पेड द वर्ल्ड जैसे चर्चित किताब लिखने वाले निक कॉलिंग्स ने 30 सितंबर, 2026 को सोशल मीडिया एक्स पर भारत और रोम के बीच होने वाले व्यापार को लेकर एक पोस्ट किया।



खास गोदाम बनवाए। एक बचे हुए पैपिरस (कागज) में दर्ज एक जहाज के माल की कीमत लगभग 9 मिलियन सेस्टर्सेस थी।

भारतीय माल पर टैक्स से रोम का 50 फीसदी खर्च पूरा - कॉलिंग्स ने आगे लिखा-इतिहासकार ऋग्वह्य रूख्हददृद्यदृदृ ने इन आंकड़ों के आधार पर हिसाब लगाया है कि भारतीय माल पर लगने वाले कस्टम ड्यूटी से पूरे साम्राज्य को चलाने के लिए जरूरी राजस्व का लगभग आधा हिस्सा मिलता था। मिस्र में तैनात दो सेना-टुकड़ियों (लीजियन) ने उस कस्टम हाउस को संभाला हुआ था जिससे यह सब चलता था।

भारत से रोम क्या जाता था और बदले में क्या मिलता था - भारत काली मिर्च, हाथीदांत, रत्न, इत्र और दवाइयां भेजता था। रोम इसके बदले सोना जैसी कीमती धातुएं (बुलियन) देता था। आयात और निर्यात पर लगने वाले टैक्स से जो राजस्व मिलता था, उसने रोमन कुलीन वर्ग और खुद साम्राज्य को बदल दिया।रोम भूमध्य सागर को हमारा सागर कहता था। आर्थिक रूप से हिंद महासागर कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण था।

भारत से रोम को भेजी जाती थी काली

मिर्च - भारत से रोम को निर्यात में काली मिर्च सबसे आगे थी। मालाबार तट पर इसे उगाने वाले तमिल लोगों ने रोमन लोगों की इस चाहत को एक नाम दिया था-यवनाप्रिया, यानी पश्चिमी लोगों का जुनून। मांग इतनी ज्यादा थी कि डोमिटियन (81-96) ने शहर के बीचों-बीच विया सैक्रा के पास काली मिर्च और मसालों के लिए खास गोदाम बनवाए, जिन्हें होरिया पिपेराटारिया कहा जाता था।

200 टन काली मिर्च की कीमत रोमन सैन्य टुकड़ी की सालाना सैलरी - रोम में मौजूद दो सौ टन काली मिर्च की कीमत 60 लाख सेस्टर्सेस (उस समय की मुद्रा) से ज्यादा थी, जो एक पूरी सेना की टुकड़ी (लीजियन) की सालाना तनख्वाह से भी अधिक थी। यह पूरे साम्राज्य में इतनी फैल गई थी कि आम घरों में भी थोड़ी-बहुत काली मिर्च मिल जाती थी। प्लीनी ने देखा कि यह चाहत समाज के हर स्तर तक पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि आजकल गरीब लोग भी मोतियों की चाहत रखते हैं। उन्होंने शिकायत की कि रोम में भारतीय सामान अपनी मूल कीमत से 100 गुना ज्यादा दाम पर बिकता

था, फिर भी उन्होंने माना कि मुनाफे की चाहत भारत को और करीब ले आती है। एशिया से रोम आने वाले सामान की 86 पहचानी गई श्रेणियों में से अकेले मसालों की 44 श्रेणियां थीं।

रोमन व्यापार की दीलत आने तमिल राज्यों में बढ़ी दुश्मनी - यूरोप का ऐसा कोई सामान नहीं था जिसकी भारत में इतनी मांग हो कि दूसरी तरफ से कीमतें गोली में (बुलियन) के व्यापार के अंतर को खत्म किया जा सके। वाइन, जैतून का तेल, लाल मृगा, तांबा, सीसा, रंग, कांच और एम्बर, ये सभी चीजें पूर्व की ओर भेजी जाती थीं, लेकिन उनकी कीमत उतनी नहीं थी। हर्मापोलोन और उसके जैसे दूसरे जहाजों को लगातार सामान होने के लिए जो चीज प्रेरित करती थी, वह थी कीमती धातुएं (बुलियन)।

इस व्यापार से इतनी दीलत आई कि इसने भारतीय राजनीति को भी प्रभावित किया। दक्षिण में इतनी बड़ी मात्रा में रोमन सोना-चांदी आया कि इसने तमिल राज्यों के बीच आपसी दुश्मनी को बढ़ावा दिया।

रोमन आगस्टस के काल में व्यापार ज्यादा तमिल काव्य अकानानुरु में चेर और पांड्य राज्यों के बीच हुई एक लड़ाई का जिक्र है, जो बंदरगाह गुजिरिस की घेराबंदी और वहां के मदिरों की लुटपाट तक पहुंच गई थी। श्रीलंका के राजा भातिकभय (35-63) को लगभग 50 ईस्वी में तुफान के कारण वहां पहुंचे एक रोमन चांदी के सिक्के की गुणवत्ता ने बहुत प्रभावित किया।

उन्होंने सम्राट क्लाडियस (41-54) के पास एक प्रतिनिधिमंडल भेजा। सम्राट ने भी बदले में भूमध्यसागरीय लाल मृगे का एक टुकड़ा भेजा, जिससे सदियों तक द्वीप पर स्थित एक बौद्ध मंदिर की शोभा बढ़ती रही। तमिल इलाके में आगस्टस के समय के रोमन सिक्कों के 20 से ज्यादा जखीरे मिले हैं, और टाइबेरियस के समय के भी कई सिक्के मिले हैं। ये उस दौर को दिखाते हैं जब व्यापार तेजी से बढ़ा था।

‘मैं नहीं जानता’ से शुरू होती है ज्ञान की असली यात्रा

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कहरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कहरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कहरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता।

(मणि तिवारी)

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। सुनने में यह वाक्य बहुत साधारण लगता है कि मैं नहीं जानता, लेकिन मनुष्य की समूची बौद्धिक यात्रा कहीं न कहीं इसी स्वीकारोक्ति से शुरू होती है। ज्ञान का पहला कदम यह मान लेना है कि अभी सब कुछ ज्ञात नहीं है। जिज्ञासा वहीं पैदा होती है, जहां निश्चितता समाप्त होती है। प्रश्न वहीं जन्म लेता है, जहां मनुष्य अपने ज्ञान की सीमा को पहचानता है। जब मनुष्य ने पहली बार अपने आसपास की दुनिया को देखकर पूछा होगा कि यह सब क्यों है, जीवन क्या है, मृत्यु के बाद क्या है, सत्य क्या है और स्वयं मनुष्य कौन है, तब उसके पास इन प्रश्नों के उत्तर नहीं रहे होंगे। उसने अज्ञात को स्वीकार किया और उसकी खोज शुरू की।

भारतीय दार्शनिक परंपरा को देखें, तो यह विनम्रता उसके भीतर बहुत गहराई से दिखाई देती है। वेदों और उपनिषदों की मूल चेतना में यह स्वीकारोक्ति मौजूद है कि अंतिम सत्य को सहज रूप से पकड़ लेना संभव नहीं है। उपनिषदों का 'नेति नेति' यानी 'यह नहीं, यह भी नहीं', इसी बोध की ओर संकेत करता है। सत्य को किसी एक सीमित परिभाषा में बंद करने के बजाय उसके बारे में लगातार प्रश्न करते रहना इस परंपरा की विशेषता रही है। ऋग्वेद का नासदीय सूक्त तो इस दृष्टि से और भी महत्वपूर्ण है। सृष्टि की उत्पत्ति के प्रश्न पर वह जिस प्रकार विचार करता है, उसमें एक गहरी बौद्धिक विनम्रता दिखाई देती है।

सृष्टि के आरंभ में क्या था, कैसे था और उसे कौन जानता है, इन प्रश्नों के उत्तर में निश्चितता के बजाय संदेह और जिज्ञासा उपस्थित होती है। यहां तक कि अंत में यह संभावना भी रखी जाती है कि शायद वह भी न जानता हो, जो इस सृष्टि के सर्वोच्च रहस्य को जानने वाला माना जाता है। यही दर्शन की सुंदरता है। वह कहता है कि मैं खोज रहा हूं, इसलिए मैं जानना चाहता हूं। मैं जानना चाहता हूं, इसलिए मुझे यह स्वीकार करना होगा कि अभी मैं नहीं



जानता। यूनानी दार्शनिक सुकरात की पूरी दार्शनिक पद्धति के केंद्र में भी यही स्वीकार दिखाई देता है।

मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए - सुकरातों ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि मनुष्य को अपने अज्ञान का बोध होना चाहिए। अपने अज्ञान को स्वीकार करना उसके लिए कमजोरी नहीं, बल्कि ज्ञान की शुरुआत थी। जो व्यक्ति यह मानता है कि वह सब कुछ जानता है, उसके लिए प्रश्न करने की कोई आवश्यकता ही नहीं बचती। मगर जो यह स्वीकार करता है कि वह नहीं जानता, उसके भीतर खोज की संभावना बनी रहती है।

यही कारण है कि 'मैं नहीं जानता' दरअसल ज्ञान के प्रति एक नैतिक और बौद्धिक जिम्मेदारी भी है। यह मनुष्य को विनम्र बनाता है। यह उसे दूसरे की बात सुनने की क्षमता देता है। यह उसे अपने विचारों पर पुनर्विचार करने की स्वतंत्रता देता है। समस्या तब शुरू होती है, जब मनुष्य 'मैं नहीं जानता' से आगे बढ़कर 'मैं ही जानता हूं' की स्थिति में पहुंच जाता है। जब किसी व्यक्ति, समूह या

परंपरा को यह विश्वास हो जाता है कि उसके पास अंतिम सत्य है, तब प्रश्न पूछने की जगह समाप्त होने लगती है। जहां प्रश्न समाप्त होते हैं, वहां दर्शन अपनी प्रकृति खोने लगता है।

दुनिया के इतिहास में ऐसी धार्मिक और वैचारिक व्यवस्थाएं रही हैं, जिन्होंने यह दावा किया कि अंतिम सत्य उनके पास पहले से मौजूद है। सत्य को पूर्ण रूप से प्रकट किया जा चुका है और अब मनुष्य का काम केवल उसे स्वीकार करना है। ऐसी व्यवस्था में असहमति केवल एक बौद्धिक मतभेद नहीं रह जाती। दर्शन प्रश्न करता है, कहरता उत्तर थोपती है। दर्शन कहता है कि सत्य की खोज जारी है, कहरता कहती है कि सत्य मिल चुका है। दर्शन दूसरे व्यक्ति को अपने साथ खोज में शामिल करता है, कहरता उससे अपने निष्कर्ष को स्वीकार करने की मांग करती है। इस निश्चितता का प्रभाव केवल विचारों तक सीमित नहीं रहता। जब कोई विचार अपनी ऐतिहासिक और दार्शनिक परिस्थितियों से अलग होकर कठोर नियम

में बदल जाता है, तो दर्शन धीरे-धीरे कर्मकांड में बदल सकता है।

किसी विशेष समय, स्थान या ऐतिहासिक परिस्थिति में उत्पन्न हुई बात को शाश्वत और अनिवार्य मान लिया जाता है। फिर उस पर प्रश्न करना परंपरा का विरोध माना जाने लगता है। यहीं से एक और समस्या पैदा होती है। जब विचार अपने मूल अर्थ से कट जाता है और केवल उसकी बाहरी अभिव्यक्ति बचती है, तो कर्मकांड दर्शन की जगह ले लेता है। मनुष्य यह पूछना बंद कर देता है कि किसी आचरण का अर्थ क्या है और केवल यह पूछता है कि उसे कैसे करना है। 'क्यों' की जगह 'कैसे' ले लेता है। प्रश्न की जगह नियम आ जाता है।

किसी भी जीवित दर्शन की पहचान यही है कि वह अपने भीतर प्रश्न के लिए जगह बनाए रखता है। जो परंपरा अपने ही मूल प्रश्नों से डरने लगे, उसके भीतर जड़ता पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए 'मैं नहीं जानता' कहना केवल विनम्रता नहीं है। यह मनुष्य को हिंसा से भी दूर रख सकता है। जब यह पता हो कि मेरी समझ सीमित है, तो दूसरे की समझ को पूरी तरह गलत मानने से पहले रुकना होगा, सुनना होगा, प्रश्न उभरेगा और संभव है कि विचार बदल भी जाए।

शायद सभ्यता के लिए सबसे खतरनाक वाक्य 'मैं जानता हूं' नहीं, बल्कि 'केवल मैं ही जानता हूं' है। मनुष्य को खुद पर विश्वास रखना चाहिए। उसे अपनी परंपरा से प्रेम भी करना चाहिए, लेकिन प्रेम और निश्चितता एक ही चीज नहीं हैं। अपनी परंपरा को समझने का सबसे अच्छा तरीका शायद यह नहीं है कि हम उसके हर उत्तर को अंतिम मान लें, बल्कि यह है कि हम उसके भीतर मौजूद प्रश्नों को फिर से सुनें। जब तक मनुष्य यह कह सकने की क्षमता रखता है कि 'मैं नहीं जानता', तब तक उसके भीतर जानने की संभावना जीवित रहती है। जिस दिन वह अपनी सीमित समझ को अंतिम सत्य मान लेता है, उसी दिन दर्शन का अंत शुरू हो जाता है।

चाहिए कि आम जनता व
मूलभूत जरूरतों को मजबूत
करने के लिए क्या प्राथमिकता
तय की गई है। कांग्रेस ने
योगिता साहू ने कहा कि
कांग्रेस आधुनिक तकनीक
और ट्रक के विकास के खिलाफ नहीं है।
उन्होंने किसी भी बड़े प्रोजेक्ट
नहीं मंजूर देने से पहले यह देखा जाना जरूरी
है कि उसका असर राज्य के बिजली
आपूर्ति, जमीन, पर्यावरण और रोजगार
पर कितना पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाया
कि 100 मघा के डेटा सेंटर व
बिजली को देना।

संक्षिप्त समाचार

राज्यपाल 9 अक्टूबर को बिलासपुर आएंगे राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट जूडो प्रतियोगिता का करेंगे शुभारंभ

बिलासपुर। राज्यपाल श्री रमैन डेका शुक्रवार, 9 अक्टूबर को बिलासपुर प्रवास पर आएंगे। वे दोपहर 12 बजे सरकंडा स्थित खेल परिसर में आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय सब-जूनियर एवं कैडेट बालक-बालिका जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। निर्धारित दौरा कार्यक्रम के अनुसार राज्यपाल श्री डेका सुबह 9.30 बजे लोक भवन, रायपुर से सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान कर सुबह 11.30 बजे बिलासपुर के सर्किट हाउस पहुंचेंगे। वे सुबह 11.50 बजे सर्किट हाउस से सरकंडा स्थित खेल परिसर के लिए रवाना होंगे और दोपहर 12 बजे जूडो प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। राज्यपाल दोपहर 1 बजे खेल परिसर से प्रस्थान कर दोपहर 1.10 बजे सर्किट हाउस पहुंचेंगे। भोजन के पश्चात वे दोपहर 2 बजे सड़क मार्ग से रायपुर के लिए रवाना होंगे।

सविदा पदों पर भर्ती हेतु वाक-इन-इंटरव्यू 9 को

बिलासपुर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं जिला स्वास्थ्य समिति अंतर्गत फिजियोथेरेपिस्ट, साइकोलॉजिस्ट-क्लिनिकल-एनएमएचपी, रेडियोग्राफर, एक्सरे टेक्नीशियन एवं डेंटिस्ट के रिक्त सविदा पदों पर भर्ती के लिए वाक-इन-इंटरव्यू 9 अक्टूबर 2026 को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में सवेरे 10.30 बजे से रखा गया है। आवेदन प्रारूप एवं नियम व शर्तें जिले की वेबसाइट में उपलब्ध है।

कम्प्यूटर प्रोग्रामर सविदा भर्ती आवेदन 23 अक्टूबर तक

बिलासपुर। विकसित भारत-जी राम जी योजनांतर्गत जिला स्तर पर कम्प्यूटर प्रोग्रामर के एक रिक्त सविदा पद पर भर्ती के लिए 23 अक्टूबर 2026 तक आवेदन मंगाये गये है। आवेदन निर्धारित प्रारूप में बंद लिफाफे में पंजीकृत डाक अथवा स्पीड पोस्ट के माध्यम से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बिलापुर, विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) के नाम से निर्धारित लिथि तक प्रेषित किये जा सकते हैं। आवेदन का प्रारूप एवं आवेदन से संबंधित अधिक जानकारी जिले की वेबसाईट पर उपलब्ध है।

छूटे हुए पात्र नागरिकों और नए युवा मतदाताओं का होगा पंजीयन

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र नागरिकों एवं नए युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पहली बार मतदान के पात्र बने युवाओं तथा अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं करा सके नागरिकों के नाम जोड़े जाएंगे। यह कार्य बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा घर-घर भ्रमण कर मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की प्रक्रिया के अंतर्गत किया जाएगा। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता और सहयोग से यह सुनिश्चित करने में सहायता मिलेगी की कोई भी पात्र मतदाता सूची से वंचित न रहे और सभी पात्र नागरिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान का उद्देश्य सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में पंजीयन सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त नागरिकों से इस अवसर का लाभ उठाने और मतदाता सूची में अपना पंजीकरण विधिवत सुनिश्चित करने की अपील की है। मतदाता सूची में अपना पंजीकरण करने के लिए ईसीआईनेट मोबाइल एप्प या वेबसाइटके माध्यम से फॉर्म 6 में ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है।

युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए 21 अक्टूबर तक लगेगे विशेष शिविर

बिलासपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में नए एवं युवा मतदाताओं के पंजीयन के लिए 21 अक्टूबर तक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में विशेष शिविर लगाए जाएंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ने सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को शिविरों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विशेष अभियान के तहत मतदाता सूची में अब तक नाम दर्ज नहीं करा पाए पात्र नागरिकों तथा सूची से नाम हटाए गए व्यक्तियों के पंजीयन पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए कक्षा 9वीं से 12वीं तक के स्कूलों और समस्त उच्च शैक्षणिक संस्थानों जैसे कॉलेज, यूनिवर्सिटी में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। बूथ लेवल अधिकारियों के सहयोग से इलेक्ट्रोल लिटरैसी क्लब के माध्यम से पात्र युवा मतदाताओं का पंजीयन कराया जाएगा।

आइडियाथॉन 2026 में विद्यार्थियों ने दिखाया नवाचार का दम,डॉग्स के लिए स्मार्ट वॉच को मिला प्रथम पुरस्कार.....

कोडविद्या और एसईसीएल के माई स्कूल माई स्टार्टअप अभियान के तहत डीएवी पब्लिक स्कूल, वसंत विहार में हुआ आयोजन

बिलासपुर। कोडविद्या इंडिया प्रा. लि. द्वारा साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) के सहयोग से बुधवार को वसंत विहार स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के ऑडिटोरियम में आइडियाथॉन 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में चयनित शीर्ष 10 टीमों ने अपने स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों ने रोबोट एवं विभिन्न प्रोटोटाइप के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं के व्यावहारिक और नवाचारी समाधान प्रस्तुत किए। विद्यार्थियों

ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के बेहतर तालमेल से ऐसे प्रोजेक्ट तैयार किए, जो रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान के साथ भविष्य की जरूरतों को भी ध्यान में रखते हैं। सभी टीमों ने निर्णायकों एवं अतिथियों के समक्ष अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन आइडिया की मौलिकता, तकनीकी समझ और समाधान की उपयोगिता के आधार पर किया गया। यह परियोजना कोडविद्या द्वारा एसईसीएल के सहयोग से एसईसीएल के अंतर्गत संचालित सभी 9 डीएवी स्कूलों में चलाई जा रही है। इसके तहत विद्यार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिटिक्स, वित्तीय साक्षरता, ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में कौशल आधारित शिक्षा प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसईसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास रहे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत

पटरियों के किनारे एवं आस-पास के कूड़े कचरों व अपशिष्ट पदार्थों का बेहतर निष्पादन

स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत मंडल के सभी स्टेशनों,डिपो वर्कशॉप,यार्ड के ट्रैक पर सफाई अभियान चलाया गया...

बिलासपुर। रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल में दिनांक 01 से 15 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। पखवाड़े के दौरान प्रतिदिन निर्धारित थीम के अनुरूप रेलवे परिसरों में स्वच्छता, स्वच्छ पर्यावरण एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य मंडल के सभी स्टेशनों, ट्रेनों, कार्यालयों, रेलवे कॉलोनियों, वर्कशॉप, कोचिंग डिपो, गुड्स शेड एवं स्वास्थ्य इकाइयों सहित रेलवे परिसरों में स्वच्छता के स्तर को और बेहतर बनाना तथा रेलकर्मियों एवं आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसी क्रम में दिनांक 06 से 08 अक्टूबर

2026 तक पटरियों के किनारे एवं आसपास पुराने कचरे की सफाई थीम के अंतर्गत बिलासपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों, यार्ड, वर्कशॉप एवं डिपो में स्थित रेल पटरियों के किनारे एवं आसपास तीन दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न विभागों के समन्वय से व्यापक स्तर पर साफ-सफाई एवं कचरा निष्पादन की कार्रवाई की गई। प्रमुख स्टेशनों के साथ छोटे स्टेशनों पर भी विशेष सफाई – अभियान के तहत बिलासपुर, उसलापुर, रायगढ़, चांपा, कोरबा, शहडोल, उमरिया, अनुपपुर, पेंड्रारोड सहित मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों के साथ-साथ छोटे स्टेशनों पर भी प्लेटफॉर्म एवं पटरियों के आसपास विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित की गई। संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों



एवं कर्मचारियों के समन्वय से स्वच्छता गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से संचालित किया गया। ट्रैक के दोनों किनारों के कचरे एवं अपशिष्ट पदार्थों की विशेष सफाई – प्लेटफॉर्म के नीचे एवं ट्रैक में कचरे, प्लास्टिक एवं अन्य अपशिष्ट

पदार्थों को हटाया गया। सफाई मित्रों द्वारा आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं आधुनिक उपकरणों का उपयोग करते हुए ट्रैक के किनारे के गंदगी एवं कचरे की सुरक्षित एवं प्रभावी ढंग से सफाई की गई। एकत्रित प्लास्टिक एवं स्कूप को निर्धारित प्रक्रिया के

अनुसार अलग कर हटाया गया। ट्रैक के आसपास के झाड़ियों एवं वनस्पतियों की भी विशेष रूप से सफाई की गई। कचरे का पृथक्करण एवं उचित निस्तारण – सफाई अभियान के दौरान एकत्रित कचरे एवं अपशिष्ट पदार्थों का पृथक्करण किया गया तथा उसका उचित तरीके से निस्तारण किया गया 7 रिसाइकल योग्य सामग्री जैसे प्लास्टिक एवं धातु को गैर-रिसाइकल योग्य कचरे से अलग किया गया, ताकि कचरे का वैज्ञानिक एवं पर्यावरण अनुकूल तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत संचालित इन गतिविधियों के माध्यम से रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं बेहतर पर्यावरण वाला बनाने के साथ-साथ स्वच्छता को नियमित कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

सेवा की कहानी राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना ने बदली जीवन की राह

■ दूध उत्पादन से सुरेश साहू की बदली आर्थिक स्थिति, हर माह 15 से 16 हजार रुपये की आय

बिलासपुर। जिले के ग्राम मदनपुर निवासी सुरेश साहू के लिए राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह लेकर आई है। योजना के माध्यम से दुधारू गाय खरीदने के लिए उन्हें 70 हजार रुपये की अनुदान सहायता राशि प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से उन्होंने दो दुधारू नरसल की गाय खरीदीं और डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ाया। सुरेश साहू ने बताया कि वर्तमान में दोनों गायों से प्रतिदिन लगभग 14 लीटर दूध प्राप्त हो रहा है। दूध की बिक्री से उन्हें हर महीने करीब 15 से 16



हजार रुपये तक की आय हो रही है। डेयरी व्यवसाय से होने वाली इस अतिरिक्त आमदनी से उनकी आर्थिक स्थिति लगातार मजबूत हो रही है। साथ ही वे अपने परिवार का पालन-पोषण भी बेहतर तरीके से कर पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शासन की योजना के माध्यम से मिली सहायता ने उनके लिए स्वरोजगार का अवसर तैयार किया है। पशुपालन को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाकर वे अपनी आय में और वृद्धि करने की दिशा में

प्रयासरत हैं। योजना से मिली मदद ने उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनने का अवसर दिया है। सुरेश साहू ने राज्य सरकार और पशुपालन विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन पशुपालकों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें आगे बढ़ाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं से मिलने वाली सहायता ग्रामीण क्षेत्रों के पशुपालकों के लिए काफी उपयोगी साबित हो रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म और छेड़छाड़ का आरोपी गिरफ्तार 8 लीटर महुआ शराब जब्त

कोरबा। महिला एवं बाल अपराधों के साथ-साथ अवैध शराब के खिलाफकोरबा पुलिस का अभियान लगातार जारी है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना उरगा पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। उरगा थाने में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिग बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार, बालिका 19 सितंबर 2026 को सुबह करीब 9.30 बजे स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन स्कूल नहीं पहुंची। परिजनों को किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका थी। मामले में पुलिस ने अपराध क्रमांक 520/2026 के तहत धारा 137(2) बीएनएस में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। इसके बाद बालिका द्वारा बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) और न्यायालय के समक्ष दिए गए कथनों में आरोपी द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने, छेड़छाड़ करने और पूर्व में दुष्कर्म किए जाने की बात सामने आई। इसके आधार पर मामले में धारा 65(1), 74 बीएनएस और पाँक्सो एक्ट की धारा 4 एवं 8 जोड़ी गई। पुलिस ने आरोपी मुकेश यादव (19), निवासी धंवईपुर, थाना कटघोरा, जिला कोरबा को 6 अक्टूबर 2026 को गिरफ्तार किया। आरोपी को विशेष न्यायालय एफटीएससी कोरबा में पेश किया गया।

शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्राथमिकता-पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति

■ वेदपरसदा में सेवा सेतु शिविर से ग्रामीणों को मिली राहत, एक ही जगह मिला योजनाओं का लाभ

बिलासपुर। मस्तुरी विकासखंड के ग्राम वेदपरसदा स्थित मुख्यमंत्री डीएचडी स्कूल में आयोजित सेवा सेतु शिविर ग्रामीणों के लिए सुविधाओं और सीगातों का केंद्र बना। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी शामिल हुए। शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया गया। स्वामित्व योजना के तहत अधिकार अभिलेख, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास पूर्णता प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, श्रम पंजीयन कार्ड और पेंशन स्वीकृति सहित विभिन्न योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने विभागीय योजनाओं की जानकारी ली और अपनी जरूरतों से संबंधित



सेवाओं का लाभ उठाया। पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी ने कहा कि सेवा सेतु शिविर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को सीधे आमजन तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण पहल है। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को छोटी-छोटी जरूरतों और शासकीय सेवाओं के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए विभिन्न विभागों की सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं की

जानकारी लेकर पात्रता के अनुसार अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। अधिकार अभिलेख से लेकर आवास और पेंशन तक, हितग्राहियों को मिली सीगात – शिविर में स्वामित्व योजना के अंतर्गत 50 से अधिक हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख वितरित किए गए। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 23 हितग्राहियों को आवास पूर्णता प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। वहीं 23 पात्र हितग्राहियों को नवीन पेंशन की स्वीकृति दी गई। श्रम विभाग द्वारा श्रम पंजीयन कार्ड तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड वितरित किए गए।

वाडों की साफ-सफाई कार्यों में लापरवाही पर लगा 10 हजार रू. का अर्थदण्ड

कोरबा। आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न वाडों में साफ-सफाई का कार्य सफाई ठेकेदार द्वारा कराया जा रहा है, आयुक्त श्री पाण्डेय के निर्देश पर निगम अमले ने कार्यवाही करते हुये 10 हजार रुपये का अर्थदण्ड लगाया व अर्थदण्ड के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि माई स्कूल माई स्टार्टअप विद्यार्थियों में उद्यमिता, आशुतोष पाण्डेय के सतत मार्गदर्शन में शहर की व्यवस्थाओं की दुरुस्ती, अतिक्रमण व अवैध कब्जे से मुक्ति एवं साफ-सफाई हेतु निगम की टीम लगातार कार्यवाही कर रही है। निगम आयुक्त श्री पाण्डेय स्वयं सुबह-सुबह शहर का भ्रमण

कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए समस्याओं के निराकरण एवं शहर की व्यवस्था को पटरी पर लाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं उनके कुशल मार्गदर्शन में एक ओर जहाँ निगम के सभी 07 जोन के जोन कमिश्नर सुबह 07 बजे से अपने-अपने जोन की टीम को लेकर वार्ड व बस्तिनों में दस्तक देते हुए समस्याओं व व्यवस्थाओं का जायजा लेकर इन्हें सुधारने का कार्य कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर निगम की टीम अतिक्रमण अवैध कब्जे व गंदगी करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही कर रही है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी शहर में दिखाई पड़ने लगे हैं, व्यवस्थाएं क्रमशः सुधर रही हैं।

को द्वितीय पुरस्कार के रूप में ₹30,000, जबकि आम लोगों की कानूनी समस्याओं के समाधान के लिए तैयार न्याय मित्र वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म को तृतीय पुरस्कार के रूप में ₹20,000 प्रदान किए गए। नौकरी मांगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनें विद्यार्थी – कोडविद्या के संस्थापक श्री शिवराम ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब क्रिएटर बनने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि माई स्कूल माई स्टार्टअप विद्यार्थियों में उद्यमिता, नवाचार और समस्या समाधान की सोच विकसित करने का प्रयास है। डीएवी पब्लिक स्कूल के प्राचार्य श्री के. पार्थिवन ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रोबोट एवं प्रोटोटाइप उनकी रचनात्मकता और तकनीकी समझ को प्रदर्शित करते हैं। कार्यक्रम के अंत में कोडविद्या के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री चैतन्य ने अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया।



नवाचारी विचारों एवं मॉडलों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। मीडिया से चर्चा में श्री दास ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और इस तरह के मंच उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने तथा आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि देश में नवाचार और नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास किए जा रहे हैं। आज के ये युवा

नवाचारी भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में मानव जीवन से जुड़ी चुनौतियों का समाधान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। डॉस के लिए स्मार्ट वॉच को मिला पहला पुरस्कार- मूल्यांकन के बाद विजेता टीमों की घोषणा की गई। डॉस के लिए स्मार्ट वॉच के आइडिया को प्रथम पुरस्कार के रूप में ₹50,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। एआई शिक्षकों वाले ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म

छत्तीसगढ़ी फिल्म ‘भेद’ सिनेमाघरों में रिलीज, अर्जुदा की माटी और लोकरंग की दिखेगी खास झलक

भिलाई । छत्तीसगढ़ी सिनेमा के दर्शकों के लिए सस्येंस, रोमांच और सामाजिक संदेश से भरपूर फिल्म ‘भेद’ 2 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ के विभिन्न सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। पुनर्जन्म की पृष्ठभूमि पर आधारित यह सस्येंस थ्रिलर फिल्म दर्शकों को अंत तक कहानी से जोड़े रखने का प्रयास करती है। फिल्म को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है और इसे देखने वाले दर्शक फिल्म की कहानी एवं प्रस्तुति को पसंद कर रहे हैं।

फिल्म के प्रमोशन को लेकर गुरुवार को भिलाई के चंद्रा टॉकिज में फिल्म की प्रोडक्शन टीम व कलाकारों ने मीडिया ब्रिफिंग आयोजित की। इस दौरान बताया गया कि फिल्म ‘भेद’ की एक विशेषता यह है कि इसकी लगभग 90 प्रतिशत शूटिंग लोकरंग अर्जुदा गांव की माटी में की गई है। इस कारण फिल्म में अर्जुदा की स्थानीय पहचान, परिवेश और छत्तीसगढ़ी संस्कृति की झलक भी देखने को मिलती है। फिल्म का निर्देशन अर्जुदा टिकरी निवासी विवेक कमलेकर ने किया है। वे इससे पूर्व नृत्य निर्देशक एवं सह-निर्देशक के रूप में कार्य कर चुके हैं। फिल्म के निर्माता सत्येंद्र यादव हैं। फिल्म का निर्माण सुदर्शन स्टूडियो के बैनर तले किया गया है, जिसमें कार्यकारिणी संस्था इंद्रावती एंटरटेनमेंट का सहयोग रहा है। फिल्म के प्रमुख कलाकारों में मन कुरैशी, राया डोंगरिया,रेशमा जैन, हर्ष वर्धन, साहिल दास, उषासना वैष्णव, पुर्णेद



सिंह आदि कलाकार मुख्य भूमिका में है। फिल्म निर्माण में लोकरंग अर्जुदा का विशेष योगदान रहा। लोकरंग अर्जुदा के संस्थापक एवं निर्देशक स्वर्गीय दीपक चंद्राकर के सुपुत्र आनंद चंद्राकर ने फिल्म की शूटिंग के लिए लोकरंग परिसर को उपलब्ध कराते हुए

निर्माण टीम को महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। फिल्म के संगीत निर्देशक अमीर एस. रजा हैं। जो भिलाई-चरोदा के निवासी हैं। फिल्म के गीतों को स्वप्न भट्टाचार्य, अंकुश भारद्वाज, आदित्य जैन, मिथिलेश्वरी सेन एवं कचन जोशी ने अपनी आवाज दी है। फिल्म के कुछ

गीतों का लेखन गुरुदेव द्वारा आशीर्वाद एवं स्नेह स्वरूप किया गया है, वहीं कुछ गीत निशांत कुमार, भिलाई द्वारा लिखे गए हैं।

‘भेद’ पुनर्जन्म की अवधारणा पर आधारित एक सस्येंस थ्रिलर फिल्म है, जिसकी कहानी रहस्य की परतों के साथ आगे बढ़ती है और दर्शकों की जिज्ञासा को अंतिम समय तक बनाए रखती है। फिल्म में समाज में अंधविश्वास के नाम पर फैली कुछ कुरीतियों एवं अराजकताओं की ओर भी ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया गया है। फिल्म में लोकरंग अर्जुदा के प्रसिद्ध गीत ‘लाली बंगला’ से जुड़ा दृश्य विशेष आकर्षण है, जो छत्तीसगढ़ की लोककला एवं संस्कृति की सुंदर झलक प्रस्तुत करता है।

फिल्म की एक और खासियत इसकी पारिवारिक प्रस्तुति है। इसमें किसी प्रकार के अमर्द संवाद का प्रयोग नहीं किया गया है, इसलिए दर्शक इसे पूरे परिवार के साथ देख सकते हैं। ‘भेद’ को दर्शकों से मिल रही सकारात्मक प्रतिक्रिया से फिल्म की पूरी टीम उत्साहित है। फिल्म से जुड़े कलाकारों एवं निर्माण टीम ने छत्तीसगढ़ के दर्शकों से सिनेमाघरों में पहुंचकर फिल्म देखने तथा छत्तीसगढ़ी सिनेमा, स्थानीय कलाकारों और अपनी लोकसंस्कृति को प्रोत्साहित करने की अपील की है।

सेवा सेतु शिविर में सेवा संकल्प एवं मेरा संकल्प अभियान का भी प्रेरणादायी स्वरूप देखने को मिला शिविर में हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ, दो लोगों ने देहदान, चार ने नेत्रदान और छह लोगों ने रक्तदान का लिया संकल्प

■ अग्रलेखर सेवा सेतु शिविर में 144 आवेदन प्राप्त, 140 का मौके पर हुआ तत्काल निराकरण

अमलेश्वर। जनपद पंचायत पाटन एवं नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के संयुक्त तत्वावधान में सेवा सेतु अभियान के तहत नगर स्थित तुलसी भवन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जहां बड़ी संख्या में पहुंचने आमजनों ने अपनी समस्याओं, मांगों एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। शिविर में कुल 144 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 140 आवेदनों का मौके पर ही तत्काल निराकरण किया गया। सेवा सेतु शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्टॉल लगाए गए थे। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजनों को शासन की



जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी तथा प्राप्त आवेदनों का यथासंभव मौके पर निराकरण किया। शिविर में स्वास्थ्य योजना के लाभान्वित हितग्राहियों को अधिकार अभिलेख, निःशुल्क खसरा-बी-1, वृद्धावस्था पेंशन स्वीकृति कार्ड, श्रमिक कार्ड, रशन कार्ड एवं प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना

सेवा सेतु शिविर में सेवा संकल्प एवं मेरा संकल्प अभियान का भी प्रेरणादायी स्वरूप देखने को मिला। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर की एएडमैन लक्ष्मी देवांगन ने देहदान का संकल्प लिया। वहीं कुशालपुर, रायपुर निवासी विजय लक्ष्मी यादव ने भी देहदान का संकल्प लिया। इसके साथ ही चार लोगों ने नेत्रदान तथा छह लोगों ने रक्तदान का संकल्प लिया। जनहित एवं समाजसेवा से जुड़े इन संकल्पों की उपस्थित लोगों ने सराहना की। सेवा सेतु शिविर में प्रमुख रूप से तहसीलदार पाटन मनोज गुप्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत सभापति नीलम राजेश चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष दयानंद सोनकर, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, जनपद सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, नगर पालिका उपाध्यक्ष ओमप्रकाश साहू, भाजपा मंडल महामंत्री कैलाश यादव, सांसद प्रतिनिधि नगर पालिका परिषद अमलेश्वर कुलदीप बैसवाड़े, पार्षद राजु सोनकर, डॉ. आलोक पाल, ललिता कुमार् साहू, एएडमैन सुनील शर्मा, भारती यादव, लक्ष्मी देवांगन, भाजपा नेता धर्मेद सोनकर, जनपद सदस्य दामिनी रakesh साहू, गाथरी साहू, मधु कांता साहू, परदेसी, रेणुका गजेंद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं नागरिक उपस्थित रहे। शिविर की संपूर्ण व्यवस्था नगर पालिका परिषद अमलेश्वर के प्रभारी सीएमओ हेमंत वर्मा के मार्गदर्शन में उप अभियंता बलेंद्र ठाकुर, सचिन नागरे, राहुल शुक्ला, अतीक खान सहित अन्य कर्मचारियों द्वारा की गई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मोहित शर्मा ने किया।

दुर्ग के हथखोज औद्योगिक क्षेत्र में केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग, दूर तक दिखा धुएं का गुबार



दुर्ग। भिलाई के हथखोज औद्योगिक क्षेत्र में गुरुवार को उस वक्त अपरा-तप्ती मच गई, जब श्याम केमिकल फैक्ट्री परिसर में अचानक आग भड़क उठी। देखते ही देखते आग ने तेज लपटों का रूप ले लिया और फैक्ट्री से उठता घना धुआं आसपास के इलाके में फैल गया। घटना पुरानी भिलाई थाना

क्षेत्र की बताई जा रही है। आग की लपटें उठती देखकर आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए दमकलकर्म

लगातार पानी की बौछार कर लपटों पर काबू पाने में जुटे रहे। वेल्डिंग के दौरान चिंगारी से आग लगने की आशंका- प्रारंभिक जानकारी के अनुसार फैक्ट्री परिसर में वेल्डिंग का काम चल रहा था। इसी दौरान निकली चिंगारी से आग भड़कने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, आग लगने की वास्तविक वजह की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

लाखों के नुकसान का अंदेश-आग से फैक्ट्री में रखे सामान और अन्य सामग्री के नुकसान की आशंका है। फिलहाल नुकसान का सही आंकड़ा सामने नहीं आया है। दमकल विभाग की कार्रवाई पूरी होने और आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का वास्तविक आकलन हो सकेगा।

घटना के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है। आग के कारणों और नुकसान की विस्तृत जानकारी जांच के बाद सामने आने की उम्मीद है।

खैरागढ़ के बाजार अतरिया में झोलाछाप डॉक्टरों पर बड़ा एक्शन! बिना दस्तावेज चला रहे थे क्लिनिक पैथोलॉजी, नोटिस जारी

खैरागढ़। बाजार अतरिया और आसपास के इलाके में लंबे समय से बेखौफ चल रहे झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध क्लिनिक पैथोलॉजी लैब्स पर स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रुख अपना लिया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा पहले जारी पेश विज्ञप्ति के बाद अब विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है।

जिला खैरागढ़-ईखदान-गंडई के आदेश पर नोडल अधिकारी नर्सिंग होम एक्ट के नेतृत्व में गठित जांच दल ने विकासखंड खैरागढ़ अंतर्गत बाजार अतरिया क्षेत्र में औचक निरीक्षण किया। जांच में संबधित क्लिनिकों और पैथोलॉजी लैब्स के पास वैध दस्तावेज उपलब्ध नहीं पाए गए।

किन-किन पर हुई कार्रवाई?

जांच दल ने निम्नलिखित संचालकों को नोटिस जारी किया है: श्री जितेंद्र वर्मा दिशा पैथोलॉजी - श्री प्रेम प्रकाश साहू स्टूड्यो पैथोलॉजी श्री हिमलेश वर्मा श्रेया क्लिनिक इन सभी को तीन दिन के अंदर पूरे



दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। अगर निर्धारित समय में वैध दस्तावेज पेश नहीं किए गए तो नर्सिंग होम एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किन-किन पर हुई कार्रवाई?

जांच दल ने निम्नलिखित संचालकों को नोटिस जारी किया है: श्री जितेंद्र वर्मा दिशा पैथोलॉजी श्री प्रेम प्रकाश साहू रुद्राक्ष पैथोलॉजी

श्री हिमलेश वर्मा श्रेया क्लिनिक इन सभी को तीन दिन के अंदर पूरे दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया गया है। अगर निर्धारित समय में वैध दस्तावेज पेश नहीं किए गए तो नर्सिंग होम एक्ट के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तयों जरूरी थी ये कार्रवाई?

बाजार अतरिया और आसपास के इलाके में लंबे समय से झोलाछाप डॉक्टर बिना किसी अनुमति के क्लिनिक चला रहे थे। विभागीय कार्रवाई न होने के कारण इन्फार्मल बूल्ड हो गया था। रोजाना भोले-भाले लोगों का इलाज करने के नाम पर मोटी कमाई की जा रही थी। इस पूरे माफिया को परत दर परत उजागर करना। बाजार अतरिया में किन-किन नामों से क्लिनिक चल रहे हैं, जल्द ही और खुलासे किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग ने साफ कहा है कि अवैध क्लिनिकों और पैथोलॉजी लैब्स के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। अचानक निरीक्षण और दस्तावेजों की जांच से क्षेत्र में हड़कंध मचा हुआ है।

ईंदिरा मार्केट में नाली निर्माण कार्य का महापौर ने किया औचक निरीक्षण, गुणवत्ता और ढलान की बारीकी से जांच

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 30 ईंदिरा मार्केट में ईंदिरा गांधी प्रतिमा के सामने चल रहे नाली निर्माण कार्य का महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा एवं सहायक अभियंता संजय ठाकुर के साथ औचक निरीक्षण किया। महापौर ने निर्माण स्थल पर पहुंचकर नाली निर्माण की प्रगति का जायजा लिया तथा निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री की मात्रा एवं गुणवत्ता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान महापौर ने निर्माणधीन नाली के ढलान को बारीकी से जांचा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाली का निर्माण निर्धारित तकनीकी मापदंडों के अनुरूप हो तथा ढलान इस प्रकार रखा जाए कि बारिश एवं दैनिक



उपयोग का पानी बिना रुकावट के सुचारू रूप से बह सके। उन्होंने कहा कि नाली निर्माण में छेदी सी तकनीकी लापरवाही भी आगे चलकर जलभराव की समस्या का कारण बन सकती है, इसलिए निर्माण के प्रत्येक चरण की नियमित निगरानी जरूरी है। महापौर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य के दौरान मौके पर समय-समय पर निरीक्षण करते रहें और यह सुनिश्चित करें कि निर्धारित मात्रा एवं गुणवत्ता के अनुरूप ही निर्माण सामग्री का उपयोग हो।